B.A. (Honours) Examination 2018
Semester-II (CBCS)
Hindi (Honours)
Course : CC-4
(आधुनिक हिन्दी कविता)

Time : 3 Hours **Full Marks : 60**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 3×8=24

(क) 'बीती विभावरी जाग री!
अम्बर पनघट में डुबो रही–
तारा घट उषा नागरी।
खग कुल-कुल-सा बोल रहा,
किसलय का अंचल डोल रहा।

(ख) स्नेह-हीन तारों के दीपक,
श्वास शून्य थे तरू के पात,
विचर रहे थे स्वप्न-अवनि में,
तम ने था मंडप ताना;
कूक उठी सहसा तरू वासिनी!
गा तू स्वागत का गाना,
किसने तुझको अंतर्यामिनी!
बतलाया उसका आना?

(ग) सजा सहज सितार,
सुनी मैंने वह नहीं जो सुनी थी झंकार
एक क्षण के बाद वह काँपी सुघर,
ढुलक माथे से गिरे सीकर,
लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा–
मैं तोड़ती पत्थर।

(घ) सीमा ही लघुता का बन्धन
है अनादि तू मत घड़ियाँ गिन;
मैं दृग के अक्षय कोषों से–
तुझमें भरती हूँ आँसू-जल।
सजल-सजल मेरे दीपक जल।

(ङ) उसे चाहिए लौह संगठन
सुन्दर तन, श्रद्धा दीपित मन,
भव जीवन प्रति अथक समर्पण,
लोक कलामयि,
रस विलासिनी।

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दिजिए – 3×12=36

(क) छायावाद की प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए जयशंकर प्रसाद की कविताओं का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) महादेवी वर्मा की पठित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि उनके गीतों में पीड़ा, आशा, अज्ञात प्रिय के प्रति प्रणय-निवेदन और साधना की विविध अनुभूतियों के स्वर मुखरित हुए हैं।

(ग) 'निराला वैविध्य के कवि हैं' कथन की सोदाहरण आलोचना कीजिए।

(घ) स्पष्ट कीजिए कि पंत के काव्य में प्रकृति के मधुर और मनोरम चित्रण मिलते हैं।

(ङ) 'प्रलय की छाया' कविता का भावार्थ लिखिए।